आइआइएम में यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम 2 .0 लांच

रांची. आइआइएम रांची ने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम 2.0 लांच किया है. इसको लेकर आइआइएम,रांची व रसाबेड़ा ग्राम समिति के बीच एमओयू हुआ है. आइआइएम ने गांव के विकास के लिए यंग चेंजमेकर्स कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों द्वारा अर्जित 1.8 लाख रुपये देने का वादा किया. मौके पर आइआइएम के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव, प्रो गौरव मराठे, जयंत त्रिपाठी आदि मौजूद थे. आइआइएम रांची ग्राम विकास योजना को विकसित करने और लागू करने में सहायता प्रदान करेगा. रसाबेड़ा गांव में रूरल इमर्शन बूटकैंप 21 से 24 दिसंबर तक लगाया जायेगा. इसे सामाजिक कार्यों और सामुदायिक विकास के प्रति उत्साही युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है. यह आयोजन एक वैश्विक गठजोड़, विविध दृष्टिकोण और प्रतिभाओं को निखारने का काम करेगा, जहां विभिन्न सांस्कृतिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति सामूहिक रूप से अन्वेषण और नवाचार की बहुमुखी भावना का पता लगाने, साझा करने और जश्न मनाने के लिए एकत्रित होंगे.

Prabhat Khabar, 13.10.2023, Pg.5

आईआईएम ने यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम 2.0 लॉन्च किया

- रूरल इमर्शन बूटकैंप का आयोजन 21 से 24 दिसंबर तक होगा
- 9वीं से 12वीं या किसी समकक्ष शैक्षिक कार्यक्रम में नामांकित छात्र इसमें शामिल हो सकते हैं

रांची, वरीय संवाददाता। आईआईएम, रांची ने गुरुवार को यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम की शुरुआत की। रूरल इमर्शन बूटकैंप 21 से 24 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान आईआईएम और रसाबेड़ा ग्राम समिति के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के पहले संस्करण से रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में संग्रह हुए 1.8 लाख रूपए की राशी ग्रामिणों को दी गई।

इस राशि से रसाबेड़ा में ग्राम विकास योजना को विकसित करने और लागू करने में सहायता मिलेगी। डायरेक्टर प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम से छात्रों के साथ-साथ समाज के बेहतरी में भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा दूसरे देशों के छात्र भी भाग लेंगे। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की समस्या और चुनौतियों तथा समाधान पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 9वीं से 12वीं या किसी समकक्ष शैक्षिक कार्यक्रम में नामांकित छात्र इसमें शामिल हो सकते हैं। इस संबंध में जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। मौके पर संस्थान के प्रो गौरव मराठे, जयंत त्रिपाठी सहित ग्रामीण उपस्थित रथे।

Hindustan, 13.10.2023, Pg.8

वाईसीपी 21 से 24 दिसंबर तक, आईआईएम रांची और रसाबेड़ा ग्राम समिति के बीच हुआ एमओयू

यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम में विद्यार्थियों को मिलेगी एक्सपीरियंस लर्निंग, शामिल होंगे विदेशी छात्र

सिटी रिपोर्टर | रांची

आईआईएम रांची की ओर से शुरू किए गए यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम का दूसरा संस्करण शुरू होने वाला है। यह रूरल इमर्शन बूटकैंप होगा। जो 21 दिसंबर से 24 दिसंबर तक चलेगा। इस बार होने वाले यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम में देश के विभिन्न राज्यों के स्टूडेंट्स के साथ-साथ दूसरे देश के स्टूडेंट्स भी भाग लेंगे। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के समस्या, रोजाना की चुनौतियों को समझेंगे। साथ ही उस समस्या को दूर करने के लिए व्यावहारिक समाधान भी बताएंगे। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम एक सकारात्मक मुहिम साबित हुई है। इससे छात्रों के साथ-साथ समाज के बेहतरी में भी लाभ मिलेगा। गुरुवार को आईआईएम रांची व रसाबेड़ा ग्राम समिति के बीच एमओयू हुआ। जिसके तहत यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के पहले संस्करण से रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में संग्रह हुए 1.8 लाख रुपए की राशि ग्रामीणों को दी गई। मौके पर संस्थान के प्रो. गौरव मराठे, जयंत त्रिपाठी व संस्थान के शिक्षक व रसाबेड़ा से आए ग्रामीण उपस्थित रहे।

वाईसीपी से जमा हुआ रजिस्ट्रेशन शुल्क गांव को दिया गया

9 से 12वीं तक के छात्र लेंगे भाग

यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के दूसरे संस्करण में वर्तमान में 9वीं से 12वीं या किसी समकक्ष शैक्षिक कार्यक्रम में नामांकित सभी विषयों के छात्र भाग ले सकते हैं। रहने की सुविधा आईआईएम रांची में मुहैया कराई जाएगी। रजिस्ट्रेशन से संबंधित जानकारी आईआईएम रांची की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। बताते चलें यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम के पहले भाग में 40 से अधिक शहरों से आए 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था।

क्या होगा यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम में

यंग चेंजमेकर्स प्रोग्राम में सबसे पहले छात्रों का ओरिएंटेशन होगा। अलग-अलग सेशन में छात्रों को बदलाव लाने के बारे, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के बारे बताया जाएगा। डिजाइन थिंकिंग के बारे में बताया जाएगा, जिससे समस्या को दूर करने के लिए डिजाइन तैयार कर सकें। क्वांटिटेटिव मेथड ऑफ डिसीजन मेकिंग के माध्यम से डेटा के आधार पर समस्या को समझने के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके बाद छात्रों को गांव ले जाया जाएगा। जिसमें छात्र लाइव केस स्टडी के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं व अन्य चीजों को समझेंगे। इस प्रोग्राम के माध्यम से छात्रों को एक्सपीरियंस लर्निंग प्राप्त होगी।

Dainik Bhaskar, 13.10.2023, Pg.3